REVIEW OF RESEARCH
ISSN: 2249-894X
IMPACT FACTOR : 5.2331(UIF)
VOLUME - 7 | ISSUE - 6 | MARCH - 2018

# गुजरात के माध्यमिक स्तर-कक्षा-९ की गुजराती पाठ्यपुस्तकमें समाविष्ट मानव-मूल्योका अध्ययन

डॉ. धीरज परमार
सहप्राध्यापक , आणंद एज्युकेशन कोलेज, आणंद.

**सारांश**

भाषाका अध्ययन मनुष्यके लिए अनिवार्य है । आदिमानव से आधुनिक मानवकी विकासयात्रामें भाषाका बहुत का योगदान है । भाषा के विकास से मनुष्य जीवन सरल समृध्ध और सहज होता है । भारत और पूरे विश्वमें मूल्य शिक्षाके बारे में चिंतन हो रहा है । भाषा - साहित्यके माध्यम से छात्रो को मानव मूल्योकी शिक्षा अच्छी तरह से दे सकते है । भारत देशके प्रत्येक राज्योमें अपनी मातृभाषाका अध्ययन के साथ राष्ट्रभाषा और अंग्रेजी की शिक्षा दी जाती है । भाषा साहित्य के अध्ययन से छात्रोमें मानवमूल्योका विकास किया जाता है । गुजरात राज्य शाला पाठ्यपुस्तक मंडल, गांधीनगर द्वारा प्रकाशित गुजराती कक्षा ९ के पाठ्यपुस्तक के विषयवस्तुका अभ्यास करके उसमें समाविष्ट मानव मूल्योका अभ्यास करना, इस बात को ध्यानमें रखकर ये प्रपत्र तैयार किया है।

## प्रस्ताविक :-

प्रवर्तमान समयमें विज्ञान और तकनिकीकी वजह से बहुत परिवर्तन हो रहा है । मनुष्य भौतिक वस्तुकी और भागा जा रहै है । समाज में दिन प्रतिदिन नैतिक और मानवीय भावनाकी कमी देखी जा रही है । चारो और स्वार्थका संगीत सुनाई देता है । मनुष्य स्वकेन्द्री होता जा रहा है । शिक्षा हमे स्व का नहीं सर्व का विकास होना चाहिए एसा सीखाती है । शिक्षाके माध्यमसे मनुष्य मूल्यनिष्ठ जीवन जीये और स्वस्थ समाजका निर्माण करना अत्यंत आवश्यक है । साहित्य की शिक्षासे ये सब मुमकिन हो सकता है । जगत को उजाला देने वाला आदित्य है लेकिन जीवन को उजाला देनेवाला साहित्य है । गुजराती कक्षा-९ के पाठ्यपुस्तक का अभ्यास करना और उसमें समाविष्ट मानवमूल्योका प्रकट करना ये हेतु को ध्यान में रखकर ये अभ्यास किया गया है।

## अध्ययनकी आवश्यकता :-

अभी तक शिक्षाके लिए गठित किये गये कमिशन और राष्ट्रीय शिक्षा नीतिमें मूल्यशिक्षा देने की बात कही गई है । साहित्य के माध्यमसे मानवमूल्योकी शिक्षा बहुत सरलता से दे सकते है । गुजराती साहित्यमे भी मूल्यशिक्षाका पूरा अवकाश है । जब पाठ्यपुस्तक का गठन होता है तब ये मूल्यिशक्षाको ध्यानमें रखकर इकाई का चयन होता है । पाठ्यपुस्तक के विषय वस्तुमें कौनसे मानवमूल्य है ये जानना और सीखाना अत्यंत आवश्यक है ।

## समस्या कथन :-

गुजरातके माध्यमिक स्तर कक्षा-९ की गुजराती पाठ्यपुस्तकमें समाविष्ट मानवमूल्योका अध्ययन

### शीर्षकमें चावीरुप शब्द :-

गुजरात - भारत देशके पश्चिम भाषा मे आया हुआ राज्य

माध्यमिक स्तर कक्षा-९ - गुजरातमें कक्षा-९ और १० को माध्यमिक स्तर की शिक्षा व्यवस्था में लियागया है।

गुजराती - गुजरात राज्य की मातृभाषा

पाठ्यपुस्तक-छात्रोको अभ्यास के लिए अलग-अलग विषय के विषयवस्तुका गठन जिसमें किया गया है उसे पाठ्यपुस्तक कहते है।

मानवमूल्य - मनुष्य जीवनमें जो आदर्श या सिद्धांत रखता है उसे मानवमूल्य कहते है।

### अध्ययन के उदेश्य :-

- गुजरात राज्य शाला पाठ्यपुस्तक मंडलकी कक्षा-९ की गुजराती पाठ्यपुस्तक विष्यवस्तु का अभ्यास करना।
- गुजराती पाठ्यपुस्तक के विषयवस्तुमें समाविष्ट मानवमूल्योकी जांच करना।

### अध्ययनकी मर्यादा :-

- अध्ययनमें केवल गुजराती कक्षा-९ के पाठ्यपुस्तक के गद्य इकाई को सामिल किया है।
- इस अभ्यास में शैक्षणिक वर्ष २०१६-१७ में प्रकाशित हुई कक्षा-९ की गुजराती की पाठ्यपुस्तक को ध्यान में लिया गया है।

### गुजराती कक्षा-९ गद्य पाठोमें समाविष्ट मानवमूल्य

२०१६-१७मे गुजरात के कक्षा-९ के छात्रो के लिए जो पाठ्यपुस्तक तैयार किया गया है उसमें ११ इकाई गद्य के है। इस गद्य इकाई में सामिल मानवमूल्यका विवरण इस प्रकार है

| पाठ्यक्रमांक | पाठका शीर्षक | गद्यस्वरुप | सर्जक | मानवमूल्य |
|---|---|---|---|---|
| २ | चौरी और प्रायश्चित | आत्मकथा खंड | गांधीजी | -सत्य, प्रामाणिकता - पछतावा, निर्भिकता |
| ४ | गोपालबापा | उपन्यास खंड | मनुभाई पंचोली | नीडरता परोपकार, त्याग, उदारता |
| ६ | लहूकी सगाई | कहानी | इश्वर पेटलीकर | मातृत्व,देखभाल, संतानप्रेम |
| ८ | छाल छोतरे और गोटले | हास्य निबंध | बकुल त्रिपाठी | स्वच्छता |
| १० | भारतीय संस्कृतिक सिद्धि | निबंध | विनोबा भावे | विविधता मे एकता परिश्रम, संयम वैज्ञानिक वृति |
| १२ | सखी-मार्कडी | प्रवास निबंध | काका साहेब कालेलकर | प्राकृतिक सैंदर्य, शांति |
| १४ | वाडी | लेख | इस्माईल नागोरी | कार्य आनंद, ग्राम्य जीवन, सादगी, सहयोग |
| १६ | कुदरती | एकांकी | लाभशंकर ठाकर | समानता, मानवता निखालसता दूसरोकी देखभाल |
| १८ | पंगुम लंधयते | रेखाचित्र | हेतलनायक | हिंमत, धैर्य, |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | गिरिम | | | साहस, अडगता<br>आत्मविश्वास |
| २० | समाज समर्पित<br>श्रेष्ठी | रेखाचित्र | मनसुख<br>सल्ला | दृढ संकलप शक्ति,<br>पुरुषार्थ, सेवावृत्ति<br>विद्याप्रीति, परमेश्वरमे श्रद्ध |
| २२ | बोणो | लोकवार्ता | झवेरचंद<br>मेघाणी | आतिथ्य सत्कार,<br>नीडरता, विश्वास |

## निष्कर्ष

गुजरात राज्यमें कक्षा-९के गुजराती पाठ्यपुस्तक के गद्य पाठो के विषयवस्तु के अभ्यास से पत्ता चलता है कि पाठ्यपुस्तकमें मानव मूल्यो की बात प्रस्तुत की गई है। कक्षा-९ के चात्रोका गुजराती अध्यायन के समय ये मूल्यके बारेमें बताना शिक्षकका कर्तव्य बनता है। साहित्य कृतिसे साहित्यका आनंद और उसमें सामिल मानव मूल्यो से छात्रोका जीवन उच्चतम होनेकी पूरी संभावना है। सत्य, प्रमाणिकता, सरलता, सहजता, परोपकार, उदारता, परिश्रम, संयम, शांति, सादगी, सहयोग, दूसरो की देखभाल, हिंमत, धैर्य, साहस, आत्मिश्वास, आतिथ्यभावना जैसे कई मूल्योंकी प्रस्तुति इस पाठ्यपुस्तकमें है।

## संदर्भसूची

1 पटेल मोतीभाई (2006-07) विकासमान भारतीय समाजमे शिक्षक बी.एस.शाह प्रकाशन, अहमदाबाद
2 पटेल हरिभाई, (1997) मूल्य शिक्षा, गूर्जर प्रकाशन, अहमदाबाद.
3 ठाकर दक्षेस (2009) शिक्षा का सत्य पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद.
4 राधाकृष्ण एस. (1994) भारतीय दर्शन, औकसओर्ड युनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली
5 गुप्ता एन.एल. (1986) मूल्यशिक्षा, क्रिष्ना ब्रधर्स, अजमेर